कान्हा के रंग में सजा बाजार, जन्माष्टमी की तैयारियां तेज

दो पर्वों की रौनक से सजा बाजार, सजावट और श्रृंगार सामग्री की बढ़ी मांग, वैरायटी पिछले साल की तुलना में अधिक

नवभारत , जबलपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर शहर के बाजारों में तैयारियां तेज हो गई हैं। पर्व को लेकर दुकानों पर कान्हा की पोशाक, मुकुट, मोरपंख, बांसुरी, झूले और झांकी सजाने का सामान सज गया है। इस बार बाजार में सजावट के सामान की वैरायटी पिछले साल की तुलना में अधिक दिखाई दे रही है। पिछले साल जहां सजावट की छोटी सामग्री करीब 10 रुपए से शुरू होती थी, वहीं इस बार इसकी शुरुआती कीमत 15 रुपए है। इसी तरह कान्हा की पोशाक पिछले साल 40 से 400 रुपए तक मिल रही थी, जो इस बार 50 से 500 रुपए तक पहुंच गई है। यानी कई सामानों की कीमतों में करीब 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। जन्माष्टमी 4 सितंबर को मनाई जाएगी, ऐसे में पर्व नजदीक आते ही खरीदारी और बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि इस बार महंगाई का असर भी बाजार पर नजर आ रहा है। प्रीति जैन और यशोदा सिंह के अनुसार, पिछले साल की तुलना में कई सामानों के दाम बढ़े हैं। इसके बावजूद कान्हा की झांकी और श्रृंगार को लेकर लोगों में उत्साह बना हुआ है।

सजावट में बढ़ी वैरायटी

दुकानों पर कृत्रिम फूल, झालर, मोरपंख, मुकुट, माला, बांसुरी, पर्दे, झूले और झांकी की पृष्ठभूमि तैयार करने वाली सामग्री की कई वैरायटी आई है। ग्राहक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार सामान खरीद रहे हैं। बाजार में पोशाक के साथ मैचिंग मुकुट और अन्य श्रृंगार सामग्री लेने का चलन भी दिखाई दे रहा है। दुकानदारों ने इस बार छोटे बजट से लेकर बड़ी झांकी तैयार करने वालों को ध्यान में रखते हुए सामान मंगाया है। छोटी सजावट कम कीमत में उपलब्ध है, वहीं डिजाइनर और अधिक आकर्षक सामग्री के लिए ग्राहकों को ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है।

पहले से ज्यादा खर्च

यशोदा सिंह का कहना है कि पहले जितने बजट में पोशाक के साथ सजावट का काफी सामान आ जाता था, अब उसी राशि में सीमित खरीदारी हो पा रही है। इसके बावजूद त्योहार की परंपरा और उत्साह के चलते लोग कान्हा के लिए नई पोशाक और सजावट का सामान खरीद रहे हैं। दुकानदारों को उम्मीद है कि जन्माष्टमी से एक-दो दिन पहले बाजार में सबसे ज्यादा भीड़ रहेगी। खासकर कान्हा की पोशाक, मुकुट, झूले और सजावट की सामग्री की बिक्री अंतिम दिनों में बढ़ सकती है।

तीज की खरीदारी भी जोर पकड़ रही

जन्माष्टमी के साथ तीज को लेकर भी बाजार में चहल-पहल बढ़ने लगी है। महिलाओं के लिए साड़ी, सूट, चूड़ियां, मेहंदी, बिंदी और अन्य श्रृंगार सामग्री की दुकानों पर नई वैरायटी सजाई गई है। महिलाएं पर्व को लेकर कपड़ों और श्रृंगार की खरीदारी कर रही हैं। दुकानदारों को उम्मीद है कि तीज नजदीक आने के साथ खरीदारी में और तेजी आएगी।

इनका कहना है

इस बार सजावट का सामान पहले से ज्यादा वैरायटी में आया है। छोटी सजावट 15 रुपए से शुरू है और कान्हा की पोशाक 50-500 रुपए तक है। महंगाई के कारण दाम थोड़े बढ़े हैं, लेकिन ग्राहकों की रुचि बनी हुई है।

प्रीतम सेन , दुकानदार

लोग अब सिर्फ पोशाक नहीं, बल्कि पूरी झांकी सजाने का सामान भी ले रहे हैं। फूल, झालर, मुकुट, मोरपंख और झूले की मांग है। तीज की खरीदारी भी शुरू हो गई है, इसलिए बाजार में अभी से अच्छी चहल-पहल है।

राहुल चौरसिया , दुकानदार

मैं हर साल जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण की नई पोशाक और सजावट का सामान लेती हूं। इस बार सामान की वैरायटी तो काफी अच्छी है, लेकिन पिछले साल की तुलना में कीमतें ज्यादा लग रही हैं।

प्रीति जैन , ग्राहक

कान्हा के लिए पोशाक के साथ झांकी का सामान भी लेना है। छोटी-छोटी चीजें भी जोड़ने पर खर्च बढ़ जाता है। तीज के लिए भी कपड़े और चूड़ियां लेनी हैं, इसलिए इस बार त्योहारों की खरीदारी का बजट थोड़ा ज्यादा रखना पड़ रहा है।

यशोदा सिंह , ग्राहक

3 सितंबर को यादव कॉलोनी चौक पर मटकी फोड़

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर संस्कारधानी की पहली मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन यादव कॉलोनी चौक पर 3 सितंबर को रात 8 बजे से किया जा रहा है। आयोजक और भाजपा नगर महामंत्री रंजीत पटेल ने संस्कारधानी जबलपुर के सभी अखाड़ों के गोविंदाओं से इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया है। रंजीत पटेल ने सभी संस्कारधानीवासियों से सपरिवार कार्यक्रम में उपस्थित होकर मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आनंद लेने की अपील करते हुए सभी नागरिकों को सादर आमंत्रित किया है।

राम मंदिर में सजी भगवान कृष्ण की मनोहारी झांकियां

श्री सनातन धर्म महासभा के तत्वाधान में जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के तीसरे दिन श्रीराम मंदिर, मदन महल में भगवान कृष्ण की झांकी सजाओ प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर वृंदावन की कुंज गली, महारास, जगन्नाथ पुरी, लड्डू गोपाल का झूलन उत्सव, कारागार में श्रीकृष्ण प्राकट्य और जमुना नदी में वसुदेव द्वारा बाल गोपाल को ले जाने सहित अनेक मनोहारी झांकियों ने दर्शकों को आकर्षित किया। कार्यक्रम की शुरुआत महासभा के अध्यक्ष श्याम साहनी, गुलशन मखीजा, गीता पाण्डे, सुनीता चावला और डॉ. वाणी अहलूवालिया ने की, जबकि निर्णायक की भूमिका समाजसेवी नम्रता भाटिया और रुचि गुलाटी ने निभाई।

मंदिरों में कृष्ण जन्म की तैयारी, जन्म प्रसंग पर आधारित झांकियां बनाई गई

सजावट और झांकियों से बढ़ेगी मंदिरों की रौनक, जन्माष्टमी पर धार्मिक कार्यक्रमों के साथ होगा भंडारा

नवभारत , जबलपुर । श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर शहर के मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंदिरों को सजाने के साथ भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग पर आधारित झांकियां तैयार की जा रही हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिरों में भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना, आरती और धार्मिक कार्यक्रम होंगे। रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद विशेष आरती कर भोग लगाया जाएगा और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

सतपुला राम मंदिर में सात दिन आयोजन

पंडित गोविंदा द्वारा बताया गया कि जीसीएफ स्टेट स्थित सतपुला राम मंदिर में 4 से 10 सितंबर तक सात दिवसीय आयोजन होगा। इस बार यहां भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग पर आकर्षक झांकी तैयार की जा रही है। जन्माष्टमी की रात 12 बजे भगवान का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इसके बाद विशेष पूजा-अर्चना, आरती और भोग लगाया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था भी रहेगी। आयोजन के अन्य दिनों में मंदिर परिसर में मेला लगाया जाएगा, जहां

आसपास के क्षेत्रों के साथ शहर के अन्य हिस्सों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचेंगे। 10 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण की छठी मनाकर आयोजन का समापन किया जाएगा।

अन्य मंदिरों में भी तैयारियां तेज

शहर के अन्य मंदिरों में भी जन्माष्टमी को लेकर तैयारियां चल रही हैं। कहीं फूलों और रोशनी से सजावट की जा रही है तो कहीं बाल गोपाल और कृष्ण जन्म प्रसंग की झांकी तैयार की जा रही है। कई मंदिरों में संकीर्तन, भजन, धार्मिक प्रवचन और प्रसाद वितरण के कार्यक्रम होंगे। जन्माष्टमी की रात मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है।

बड़े हनुमान मंदिर में भी होंगे धार्मिक आयोजन

अधारताल स्थित प्राचीन बड़े हनुमान मंदिर में भी जन्माष्टमी भव्य तरीके से मनाने की तैयारी है। मंदिर परिसर में विशेष सजावट और झांकी के साथ भजन-कीर्तन सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। जन्माष्टमी की रात भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय विशेष पूजा और आरती की जाएगी। इसके बाद भगवान को भोग अर्पित कर श्रद्धालुओं को प्रसाद बांटा जाएगा।

एक नजर में

सुरक्षा निधि वापसी प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन

नवभारत, जबलपुर। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने उच्चदाब विद्युत कनेक्शन के स्थायी विच्छेदन के बाद सुरक्षा निधि अथवा अस्थायी अग्रिम मद में बची राशि की वापसी की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है, जिससे अब पात्र उपभोक्ताओं को राशि वापसी के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। कंपनी द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार उपभोक्ता स्मार्ट बिजली पोर्टल अथवा कंपनी की वेबसाइट पर ओटीपी आधारित लॉगिन के जरिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे, जिसके तहत उपभोक्ता को बैंक खाते की जानकारी, कैंसिल चेक, हस्ताक्षरित आवेदन-पत्र एवं शपथ-पत्र अपलोड करना होगा। आवेदन जमा होने के बाद अधीक्षण अभियंता कार्यालय अधिकतम तीन दिन के भीतर दस्तावेजों का सत्यापन करेगा। इसके बाद केंद्रीय बिलिंग प्रकोष्ठ द्वारा बैंक विवरण का सत्यापन करके ईआरपी प्रणाली में इनवॉइस प्रिव्यू रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड की जाएगी, जिसके आधार पर मुख्य वित्तीय अधिकारी कार्यालय द्वारा बैंक खाते में सीधे राशि वापस कर दी जाएगी। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि इस कार्य के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे।

अनुभाग अधिकारी विमल महापात्र 40 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्त

नवभारत, जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी जबलपुर के ईंधन प्रबंधन कार्यालय के कार्यपालक निदेशक शंकुले के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत और मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के क्षेत्रीय सचिव विमल महापात्र सोमवार, 31 अगस्त 2026 को 40 वर्ष 3 माह की लंबी सेवा उपरांत सेवानिवृत्त हो गए हैं। उनके सम्मान में फेडरेशन के पदाधिकारियों ने शॉल, श्रीफल और पुष्प माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान संगठन मंत्री दिनेश दुबे और महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने उनके

सेवाकाल की सराहना करते हुए कहा कि विमल महापात्र ने विभिन्न विद्युत गृहों में कार्यरत रहते हुए हमेशा विपरीत परिस्थितियों में भी पूरी ईमानदारी के साथ अग्रणी भूमिका निभाकर कर्मचारी हित में काम किया है। वहीं, विमल महापात्र ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपनी मातृ संस्था फेडरेशन के माध्यम से और अधिक सक्रिय होकर कर्मचारियों के हित में ज्यादा से ज्यादा काम करेंगे। इस अवसर पर राकेश डी. पी. पाठक, यू. के. पाठक, दिनेश दुबे, अनूप वर्मा, उमाशंकर दुबे और पी. के. गुप्ता सहित सभी फेडरेशन के साथियों ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और सक्रिय जीवन की शुभकामनाएं दीं।

नवीना प्रार्थना का दूसरा दिन, फादर अरूलानंदु ने अर्पित किया मिस्सा

नवभारत, जबलपुर। निर्मला चर्च में वेलांकन्नी माता के आदर में जारी नवीना प्रार्थना के दूसरे दिन होली फैमिली चर्च, अधारताल के फादर अरूलानंदु ओ. प्रेम ने ध्वजारोहण कर मिस्सा बलिदान अर्पित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि माता मरियम को ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास था और वे भली-भांति जानती थीं कि ईश्वरीय योजना के विपरीत हम कुछ भी नहीं हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवनकाल ईश्वरीय योजना को पूरा करने तथा मानव जाति को ईश्वर के करीब लाने के लिए समर्पित कर एक उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया, जो हमारे लिए प्रेरणा

स्रोत है। यह आयोजन चर्च कंपाउंड, जीसीएफ स्टेट, चुंगी चौकी के विश्वासियों द्वारा किया गया। इस आयोजन में पल्ली परिषद की मेडेलिन मेरी जोसेफ, येसुदास, एडविन जॉर्ज और समस्त क्षेत्रवासियों का सक्रिय सहयोग रहा। वहीं, पल्ली पुरोहित फादर फ्रांसिस जेवियर और सचिव शैलेश जॉर्ज ने सभी माता के विश्वासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आत्मिक लाभ प्राप्त करने का विशेष निवेदन किया है।

शहीद स्मारक में 37वां बुंदेली दिवस समारोह आज

नवभारत, जबलपुर। बुंदेली लोक साहित्य के विद्वान और भाषाविज्ञानी डॉ. पूरनचंद श्रीवास्तव की 110वीं जयंती और 37वाँ बुंदेली दिवस समारोह मंगलवार, 1 सितंबर को शाम 6.30 बजे से शहीद स्मारक भवन में गुंजन कला सदन द्वारा आयोजित है। साहित्य, कला और संस्कृति के विविध रंगों से सजे इस समारोह में डॉ. पूरनचंद श्रीवास्तव द्वारा रचित खंडकाव्य 'वीरांगना रानी दुर्गावती' पर आधारित नृत्य नाटिका की

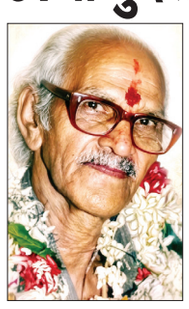

प्रस्तुति मुख्य आकर्षण होगी। कार्यक्रम में प्रभा शील, तरुणा खरे और डॉ. दीपक शुक्ल की कृतियों का विमोचन किया जाएगा। साथ ही, विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त 22 विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा, जिनमें डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक रितेश कुमार विश्वकर्मा, डॉ. दीपक शुक्ला, डॉ. शिव कुमार व्यास, आईपीएस संपत उपाध्याय, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एड. मनीष मिश्रा, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव असीम त्रिवेदी, प्रशांत साहू और अंकिता गिनारा शामिल हैं, जिनके गौरवमयी कार्यों की सराहना के साथ यह गरिमामयी समारोह संपन्न किया जाएगा।

पश्चिम मध्य रेलवे के 82 रेलकर्मी सेवानिवृत्त, दी विदाई

नवभारत, जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे में सोमवार को माह के अंतिम कार्य दिवस पर मुख्यालय सहित जबलपुर, भोपाल, कोटा मंडल और कारखानों के 82 रेलकर्मी सेवानिवृत्त हुए। इनमें मुख्यालय के मुख्य इंजीनियर जगराम मीणा सहित तीन कर्मचारी शामिल हैं। जबलपुर मंडल से 24, भोपाल मंडल से 27, भोपाल कारखाना से 6 और कोटा मंडल से 21 रेलकर्मी सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर रेल प्रशासन की ओर से सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को

उनके सेवाकाल के लिए सम्मानित करते हुए सेवानिवृत्ति संबंधी दस्तावेज प्रदान किए गए। मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख मुख्य दूरसंचार एवं संकेत इंजीनियर एकनाथ मोहकर, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर मुकेश, प्रधान वित्त सलाहकार सुधीर कुमार एवं प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी एस.डी. पाटीदार ने सेवानिवृत्त रेलसेवकों को दस्तावेज सौंपे और उनके योगदान को याद किया। अधिकारियों ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के स्वस्थ, सुखी और समृद्ध भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (एचआरडी) संजय कुमार सिन्हा सहित कार्मिक एवं लेखा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक कार्मिक अधिकारी (प्रशासनिक) शैलेन्द्र सिंह गौर ने किया।

लोकार्पण | नवपीढ़ी को बुंदेली साहित्य से जोड़ने पर जोर

आकाश और कुमुदी के काव्य पटल का हुआ लोकार्पण

नवभारत, जबलपुर। वर्तिका की मासिक काव्य गोष्ठी हरिशंकर परसाई भवन, मदन महल में डॉ. रत्ना ओझा के मुख्य आतिथ्य एवं बुंदेली मर्मज्ञ पं. दीनदयाल तिवारी की अध्यक्षता में सोल्लास संपन्न हुई। कार्यक्रम में मिथलेश नायक 'कमल' विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। इस अवसर पर साहित्यकार मनोहर चौबे 'आकाश' एवं डॉ. शिवानी परोहा 'कुमुदी' के काव्य पटल का लोकार्पण किया गया। अतिथियों ने कहा कि स्मृतिशेष पूरनचंद श्रीवास्तव महान शिक्षाविद एवं लोकभाषाविद होने के साथ बुंदेली साहित्य के महत्वपूर्ण रचनाकार थे। उनकी कृतियां आज भी बुंदेली लेखन के लिए प्रेरणास्रोत हैं। नवपीढ़ी को बुंदेली साहित्य से जोड़ने और लेखन के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। मुख्य वक्ता राजेश पाठक प्रवीण ने पूरनचंद श्रीवास्तव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला, जबकि विजय नेमा 'अनुज' ने आगामी वार्षिक महोत्सव की जानकारी दी।

इन्होंने किया काव्य पाठ

गोष्ठी में विजेंद्र उपाध्याय, प्रकाश ठाकुर, उर्मिला श्रीवास्तव, सुशील श्रीवास्तव, विजय सिन्हा, जयप्रकाश श्रीवास्तव, ताराचंद्र कुशवाहा, कुंजीलाल चक्रवर्ती, विजय विश्वकर्मा, सुभाषमणि बैरागी, एड. प्रभा खरे, विवेक गुप्ता, प्रशांत श्रीवास्तव, प्रेम कुमार पालीवाल, सुभाष जैन 'सलभ', प्रतिमा अखिलेश, कविता विश्वकर्मा सहित अन्य साहित्यकारों ने काव्य पाठ किया। संचालन सुनील तोमर एवं आलोक पाठक ने किया, जबकि सरस्वती वंदना अस्मिता शैली और आभार संतोष नेमा 'संतोष' ने व्यक्त किया।

मन मलीन पंकज खिल जाते....

द्वितीय चरण में आयोजित काव्य गोष्ठी में साहित्यकारों ने श्रावण मास और कजलियों की भावभूमि पर बुंदेली एवं हिंदी में मनमोहक रचनाएं प्रस्तुत कर समां बांध दिया। संतोष नेमा की सावन में गर तुम आ जाते, मन मलीन पंकज खिल जाते', डॉ. शिवानी परोहा की 'हे भारत की बेटियों सुनो तो जरा, उठो, जागो, पढ़ो और आगे बढ़ो', मनोहर चौबे की 'स्वप्न देख कर मुस्कराता मैं और जाग कर रोता, तुम मिलकर बिछुड़े होते तो कितना अच्छा होता' तथा मनोज जैन की 'आ जाओ भगवान, तुम्हारा निमंत्रण है' रचनाओं को खूब सराहना मिली।

अरविंद शर्मा सेवानिवृत्त, सहकर्मियों ने दी विदाई

नवभारत, जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी में मुख्य महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत अरविंद कुमार शर्मा 36 वर्षों की सुदीर्घ सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गए। राज्य विद्युत मंडल, पावर ट्रांसमिशन कंपनी एवं पावर मैनेजमेंट कंपनी में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने वाले शर्मा को विदाई समारोह में कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन एवं प्रशासन फिरोज कुमार मेश्राम ने शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया। मेश्राम ने कहा कि शर्मा ने अपने सेवाकाल में उत्कृष्ट तकनीकी ज्ञान, अभियांत्रिकी दक्षता और पेशेवर कौशल के माध्यम से प्रदेश के विद्युत नेटवर्क को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। समारोह में कार्यपालक निदेशक राजीव गुप्ता सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अपने विदाई संबोधन में अरविंद शर्मा ने कहा कि देश की अग्रणी विद्युत कंपनियों में कार्य करने का अवसर उनके लिए गौरव का विषय रहा। 36 वर्षों की सेवा यात्रा में उन्हें निरंतर सीखने और प्रदेश के विद्युत तंत्र को बेहतर बनाने में योगदान देने का अवसर मिला। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।